

## राष्ट्रीय आय और संबंधित अवधारणाएं

- किसी भी देश के नागरिकों द्वारा एक निश्चित समयावधि में उत्पादित अंतिम वस्तुओं तथा सेवाओं का मूल्य क्या कहलाता है? - **राष्ट्रीय उत्पाद**
- उत्पादन के चार साधनों- भूमि, श्रम, पूंजी तथा उद्यमिता (Land, Labour, Capital and Entrepreneurship) को किसी आर्थिक गतिविधि में विनियोजित करने पर क्रमशः किराया (लगान), मजदूरी (वेतन), ब्याज तथा लाभ के रूप में मिलनेवाले प्रतिफल के कुल योग को क्या कहा जाता है? - **राष्ट्रीय आय**
- राष्ट्रीय उत्पाद मात्रात्मक अवधारणा है, जबकि राष्ट्रीय आय है? - **एक गुणात्मक अवधारणा**
- राष्ट्रीय उत्पाद स्टॉक से संबंधित अवधारणा है। इसके विपरीत राष्ट्रीय आय किस अवधारणा से संबंधित है? - **प्रवाह (Flow)**
- राष्ट्रीय आय में किस प्रकार की वस्तुएं शामिल की जाती हैं, केवल अंतिम वस्तुएं, केवल अन्तर्वर्ती वस्तुएं या दोनों? - **केवल अंतिम वस्तुएं**
- किसी देश के सामान्य निवासियों द्वारा एक निश्चित समयावधि में अपनी भौगोलिक सीमा के अंतर्गत उत्पादित अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं के मौद्रिक मूल्य को क्या कहा जाता है? - **सकल घरेलू उत्पाद (Gross Domestic Product)**
- भारत में कई विदेशी कंपनियों द्वारा वस्तुओं तथा सेवाओं का उत्पादन किया जाता है। इनके उत्पादन की मूल्य वृद्धि को राष्ट्रीय आय की किस अवधारणा में शामिल किया जाता है? - **सकल घरेलू उत्पाद (Gross Domestic Product)**
- सकल घरेलू उत्पाद की गणना करते समय क्या पुरानी वस्तुओं के क्रय-विक्रय, हस्तांतरण भुगतान, वित्तीय प्रपत्रों के मूल्य तथा स्व-उपभोग की सेवाओं को सम्मिलित किया जाता है? - **नहीं**
- वित्तीय प्रपत्रों के क्रय-विक्रय अथवा पुरानी वस्तुओं के क्रय-विक्रय पर देय कमीशन या प्राप्त कमीशन को सकल घरेलू उत्पाद में शामिल किया जाता है? - **हां**
- सकल घरेलू उत्पाद के लिए सकल शब्द इसलिए जोड़ा जाता है कि इसमें कुल उत्पाद के अतिरिक्त सम्मिलित होता है? - **मूल्य ह्रास या स्थिर पूंजी पदार्थों का उपभोग मूल्य भी**
- सकल घरेलू उत्पाद के माप में अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं को ही क्यों शामिल किया जाता है? - **दोहरी गणना से बचने के लिए**
- सकल घरेलू उत्पाद में पुरानी वस्तुओं की कीमत को सम्मिलित किया जाता है या नहीं? - **नहीं**
- सकल घरेलू उत्पाद के मूल्य में से स्थायी उपभोग अथवा पूंजीगत संपत्तियों के घिसावट व्यय या मूल्य ह्रास को घटाने पर प्राप्त मूल्य क्या कहलाता है? - **शुद्ध घरेलू उत्पाद (Net Domestic Product)**
- उत्पादन कार्य में संलग्न पूंजीगत वस्तुओं, मशीनों, उपकरणों, फैक्टरी की इमारतों आदि का ह्रास होता है। इसको क्या कहा जाता है? - **घिसावट व्यय (Depreciation)**
- सकल घरेलू उत्पाद तथा शुद्ध घरेलू उत्पाद के अंतर को क्या कहा जाता है? - **घिसावट व्यय (Depreciation)**
- किसी देश के नागरिकों द्वारा एक निश्चित समयावधि (प्रायः एक वर्ष) में उत्पादित वस्तुओं तथा सेवा के मौद्रिक मूल्य और विदेशों से अर्जित शुद्ध सकल आय का योग क्या कहलाता है? - **सकल राष्ट्रीय उत्पाद (Gross National Product)**

### राष्ट्रीय आय लेखांकन

राष्ट्रीय आय लेखांकन (National Income Accounting) एक बहीखाता पद्धति है, जिसका उपयोग सरकार एक निश्चित समयावधि में देश की आर्थिक गतिविधि के स्तर को मापने के लिए करती है। इस प्रकृति के लेखांकन रिकॉर्ड में घरेलू निगमों द्वारा अर्जित कुल राजस्व, विदेशी और घरेलू श्रमिकों को भुगतान की गई मजदूरी, और निगमों एवं देश में रहने वाले व्यक्तियों द्वारा बिक्री और आय करों पर खर्च की गई राशि शामिल हैं। राष्ट्रीय आय लेखांकन का उपयोग करके गणना की गई कुछ अवधारणाओं में जीडीपी, जीएनपी और जीएनआई (सकल राष्ट्रीय आय) शामिल हैं।

### राष्ट्रीय आय

किसी देश के उत्पादन के समस्त साधनों को किसी आर्थिक गतिविधि में विनियोजित करने पर मिलने वाले प्रतिफल के योग को राष्ट्रीय आय कहा जाता है।

सकल घरेलू उत्पाद में हस्तांतरण भुगतान (Transfer payment), पूंजी लाभ (Capital gain), गैर-कानूनी कार्यों से मिलने वाली आय तथा स्व-उपभोग की सेवाएं सम्मिलित नहीं की जाती हैं।

राष्ट्रीय उत्पाद में किसी देश के सामान्य निवासियों द्वारा उस देश की घरेलू सीमा में किए गए अंतिम उत्पादन तथा विदेशों से प्राप्त साधन आय को सम्मिलित किया जाता है तथा उस देश में विदेशियों द्वारा अर्जित आय को घटा दिया जाता है। इसके विपरीत घरेलू उत्पाद में केवल उस देश की घरेलू सीमा के अंतर्गत सभी उत्पादकों तथा सामान्य निवासियों तथा गैर-निवासियों द्वारा उत्पादित होने वाले समस्त अंतिम उत्पाद को सम्मिलित किया जाता है।

## राष्ट्रीय आय और संबंधित अवधारणाएं

सकल राष्ट्रीय आय और निवल राष्ट्रीय आय की वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत)						
वर्ष	सकल राष्ट्रीय आय		निवल राष्ट्रीय आय		प्रति व्यक्ति निवल राष्ट्रीय आय	
	वर्तमान कीमतों पर	सतत कीमतों पर	वर्तमान कीमतों पर	सतत कीमतों पर	वर्तमान कीमतों पर	सतत कीमतों पर
2004-05 शृंखला						
1951-52	6.4	3.1	6.2	3.5	4.5	1.8
1960-61	9.5	5.5	9.6	5.8	7.6	3.8
1970-71	6.8	5.2	6.0	4.7	3.6	2.4
1980-81	19.1	6.8	19.5	6.9	16.8	4.5
1990-91	16.6	5.3	16.6	5.2	14.3	3.1
2000-01	7.3	3.6	6.9	3.2	5.1	1.4
2001-02	8.4	5.0	8.2	4.8	6.0	2.7
2004-05	14.1	7.9	13.8	7.7	12.0	6.0
2005-06	13.9	9.3	13.9	9.2	12.2	7.5
2006-07	16.2	9.2	16.3	9.1	14.7	7.6
2007-08	16.5	10.2	16.6	10.1	15.0	8.6
2008-09	12.7	3.7	12.3	3.0	10.7	1.6
2009-10	15.1	8.5	14.9	8.1	13.3	6.7
2010-11	19.6	9.8	20.1	9.8	18.5	8.3
2011-12	16.0	6.9	16.0	6.5	14.5	5.1
2011-12 शृंखला (नई शृंखला)						
2012-13	13.5	5.1	13.2	4.5	11.9	3.3
2013-14	12.9	6.3	12.9	6.0	11.5	4.6
2014-15	11.1	7.5	10.9	7.5	9.5	6.2
2015-16	10.5	8.0	10.8	8.0	9.4	6.7
2016-17(2nd RE)	11.6	8.2	11.8	8.1	10.4	6.8
2017-18(1st RE)	11.4	7.2	11.3	7.0	9.8	5.7
2018-19(PE)	11.3	6.9	11.3	6.9	10.0	5.6
2019-20(FAE)	7.6	5.0	7.6	5.0	6.8	4.3

स्रोत : केंद्रीय सांख्यिकीय कार्यालय, PE : Provisional Estimates, RE: Revised Estimates, FAE: First Advance Estimates

- सकल घरेलू उत्पाद और सकल राष्ट्रीय उत्पाद में से तुलनात्मक रूप से ज्यादा व्यापक अवधारणा कौन-सी है? - **सकल राष्ट्रीय उत्पाद**
- विदेशों से प्राप्त साधन आय तथा उस देश में विदेशियों द्वारा अर्जित आय को घटाने के उपरान्त क्या प्राप्त होता है? - **विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय**
- जब विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय धनात्मक होती है, तो सकल राष्ट्रीय उत्पाद और सकल घरेलू उत्पाद में से अधिक कौन-सा होता है? - **सकल राष्ट्रीय उत्पाद**
- जब किसी देश का सकल घरेलू उत्पाद सकल राष्ट्रीय उत्पाद से अधिक होता है तो विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय ऋणात्मक होती है या धनात्मक? - **ऋणात्मक**

### जीएनपी अंतराल

किसी देश के वास्तविक उत्पादन और पूर्ण रोजगार की स्थिति में होने वाले कुल उत्पादन के बीच के अंतर को जीएनपी अंतराल (GNP Gap) कहा जाता है। दूसरे शब्दों में, यह किसी दिए गए समयवधि में वास्तविक जीएनपी (Actual GNP) और संभाव्य जीएनपी (Potential GNP) के बीच का अंतर है। संभाव्य जीएनपी सभी क्षेत्रों में उच्च या पूर्ण रोजगार की



- यदि सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) में से पूंजीगत पदार्थों के अपकर्ष या मूल्य ह्रास (Depreciation) को निकाल दिया जाये, तो क्या प्राप्त होता है?  
- शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (NNP)
- शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद में से अप्रत्यक्ष कर को घटाने और सरकारी सहायता (सब्सिडी) को जोड़ने के बाद प्राप्त आय को क्या कहा जाता है?  
- साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (NNP<sup>16</sup>)
- साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद को प्रायः क्या कहा जाता है? - राष्ट्रीय आय
- बाजार मूल्य पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) और साधन लागत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद (NNP) के बीच के अंतर को क्या कहा जाता है? - शुद्ध अप्रत्यक्ष कर
- बाजार मूल्य पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद और बाजार मूल्य पर ही शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद के बीच का अंतर किसके बराबर होता है? - मूल्य ह्रास (Depreciation)
- सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) और सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के बीच का अंतर कितने के समान होता है? - विदेशों से अर्जित शुद्ध आय
- यदि देशवासियों द्वारा विदेशों से प्राप्त आय विदेशियों द्वारा देश में प्राप्त आय से अधिक हो तो सकल घरेलू उत्पाद अधिक होगा या सकल राष्ट्रीय उत्पाद?  
- सकल राष्ट्रीय उत्पाद
- उस आय को क्या कहा जाता है जो निजी क्षेत्र के सभी स्रोतों से प्राप्त होने वाली साधन आय तथा सरकार से प्राप्त वर्तमान हस्तांतरण और शेष विषय से प्राप्त वर्तमान हस्तांतरण का योग है?  
- निजी आय (Private Income)
- साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद में से सरकार के विभागीय उद्यमों तथा गैर-विभागीय उद्यमों की आय को घटाने पर क्या प्राप्त होता है?  
- निजी क्षेत्र की शुद्ध घरेलू आय
- राष्ट्रीय आय में से अवितरित लाभ, लाभ कर, सरकारी उद्यम व परिसम्पत्ति से प्राप्त आय, राजस्व आधिक्य तथा सामाजिक सुरक्षा पेंशन-कल्याण कोष में रोजगार दाताओं का हिस्सा घटाने और साथ ही विभिन्न हस्तांतरण भुगतान एवं गैर-उत्पादक राष्ट्रीय ऋण पर मिलने वाले ब्याज को जोड़ने पर कौन-सी आय प्राप्त होती है?  
- व्यक्तिगत आय (Personal Income)
- व्यक्तिगत आय में से अवितरित लाभ और निगम कर को जोड़ने के उपरान्त जो आय प्राप्त होती है, उसे क्या कहा जाता है? - निजी आय (Private Income)
- व्यक्तिगत आय में से व्यक्तिगत कर को निकाल देने पर प्राप्त होता है?  
- प्रयोज्य व्यक्तिगत आय (Disposable Personal Income)
- निजी आय तथा वैयक्तिक आय में से किसमें निगमों की बचत तथा निगम कर सम्मिलित नहीं किए जाते हैं?  
- वैयक्तिक आय
- राष्ट्रीय आय का वह भाग, जिसका लोग अपनी इच्छा से जब चाहें खर्च कर सकते हैं उसे क्या कहते हैं?  
- प्रयोज्य आय (Disposal Income)
- स्थिर मूल्यों पर सकल घरेलू उत्पाद तथा चालू मूल्यों पर सकल घरेलू उत्पाद का अंतर क्या कहलाता है?  
- जीडीपी डिफ्लेटर

स्थिति में और मुद्रा एवं उत्पाद कीमत स्थायित्व के साथ किसी अर्थव्यवस्था का अधिकतम और आदर्श उत्पादन होता है। चूंकि वास्तविक जीएनपी शायद ही संभाव्य जीएनपी तक पहुंच पाता है, इसलिए यह अंतराल अर्थव्यवस्था में प्रायः विद्यमान रहता है। वैसे पूर्णरोजगार की स्थिति के निरंतर बने रहने के लिए यह आवश्यक है कि जीएनपी अंतराल शून्य हो। बाजार मूल्य पर जीएनपी और स्थिर मूल्य अथवा आधार वर्ष पर व्यक्त जीएनपी के बीच के अंतर को भी जीएनपी अंतराल कहा जाता है, जो जीएनपी का स्फीतिकारी अंतराल प्रदर्शित करता है।

### कोर सेक्टर

अर्थव्यवस्था के विकास हेतु कुछ आधारभूत संरचनाओं की आवश्यकता होती है, यथा-सीमेंट, लौह-इस्पात, पेट्रोलियम, भारी मशीनरी आदि। इन आधारभूत उद्योगों का विकास करके ही अन्य उद्योगों की स्थापना की जा सकती है। इन उद्योगों को कोर सेक्टर (Core Sector) का उद्योग कहा जाता है।

### चालू बाजार मूल्य पर जीडीपी

व्यय की दृष्टि से, चालू बाजार मूल्य पर जीडीपी को निम्नलिखित का योग कहा जा सकता है- (क) खपत-निजी और सरकारी, (ख) निवेश, जिसे सकल पूंजी संचय (जीसीएफ) भी कहा जाता है और जिसमें नियत पूंजी संचय, स्टॉक और मूल्यवान वस्तुओं में परिवर्तन शामिल है तथा, (ग) निवल निर्यात, जो माल और गैर-उत्पादन सेवाओं के निर्यात और आयात के बीच अंतर को दर्शाता है। सकल नियत पूंजी संचय या नियत निवेश का संबंध नई

प्रति व्यक्ति आय और उसमें वृद्धि (31 जनवरी, 2020 को जारी आंकड़े)

स्रोत: सीएसओ

वर्ष	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
वर्तमान कीमत (रु.)	63,462	70,983	79,118	86,647	94,797	1,04,880	1,15,293	1,26,521
वृद्धि (%)	14.5	11.9	11.5	9.5	9.4	10.6	9.9	9.7
स्थिर कीमत (रु.)	63,462	65,538	68,572	72,805	77,659	83,003	87,828	92,085
वृद्धि (%)	5.1	3.3	4.6	6.2	6.7	6.9	5.8	4.8

## राष्ट्रीय आय और संबंधित अवधारणाएं

- राष्ट्रीय आय को देश की कुल जनसंख्या से विभाजित करने पर प्राप्त आय को क्या कहा जाता है?  
- प्रति व्यक्ति आय (PCI)
- प्रति व्यक्ति आय और राष्ट्रीय आय में से कौन आर्थिक विकास का सर्वश्रेष्ठ सूचक है?  
- प्रति व्यक्ति आय
- स्थिर मूल्यों पर राष्ट्रीय आय और कुल जनसंख्या का अनुपात क्या कहलाता है?  
- वास्तविक प्रति व्यक्ति आय
- वास्तविक प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि को किसका सबसे अच्छा संकेतक माना जाता है?  
- आर्थिक विकास
- किसी भी देश में राष्ट्रीय आय की गणना चालू मूल्यों तथा स्थिर मूल्यों पर की जाती है। विभिन्न वर्गों में तुलनात्मक प्रगति का अध्ययन करने के लिए किस मूल्य पर राष्ट्रीय आय की गणना की जाती है?  
- स्थिर मूल्य  
(चालू मूल्य निरंतर बदलते रहते हैं और उनमें उतार-चढ़ाव होता रहता है। इस कारण विभिन्न वर्गों की तुलनात्मक प्रगति का अध्ययन चालू मूल्य पर नहीं हो पाता है।)
- मुद्रास्फीति रहित पूर्ण रोजगार तब अस्तित्व में आ सकता है, जब कुल मांग, सकल राष्ट्रीय उत्पाद से होता है?  
- बराबर
- उत्पादन विधि, व्यय विधि, आय वितरण विधि और वस्तु प्रवाह विधि (Commodity Flow Method) राष्ट्रीय आय की गणना करने की विधियां हैं। भारत में राष्ट्रीय आय के आकलन में इनमें से किसका प्रयोग किया जाता है?  
- उक्त चारों का
- पंजीकृत विनिर्माण क्षेत्र से संबंधित आंकड़े उत्पादन या मूल्यवर्द्धन विधि द्वारा तथा गैर-पंजीकृत विनिर्माण क्षेत्र के आंकड़े आय विधि द्वारा आकलित किए जाते हैं। प्राथमिक क्षेत्र से प्राप्त आंकड़ों की गणना किस विधि द्वारा की जाती है?  
- उत्पादन विधि

### राष्ट्रीय आय की अवधारणाएं

1. सकल घरेलू उत्पाद (बाजार मूल्य पर)  $GDP_{mp}$  = एक देश की सीमा के अंदर प्रायः एक वर्ष में उत्पादित समस्त अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का कुल बाजार या मौद्रिक मूल्य
2. शुद्ध घरेलू उत्पाद (बाजार मूल्य पर)  $NDP_{mp}$  =  $GDP_{mp}$  - मूल्य ह्रास
3. शुद्ध घरेलू उत्पाद (साधन कीमत पर)  $NDP_k$  =  $NDP_{mp}$  - अप्रत्यक्ष कर + सब्सिडी
4. सकल राष्ट्रीय उत्पाद (बाजार मूल्य पर)  $GDP_{np}$  =  $GNP_{np}$  + शुद्ध विदेशी आय
5. शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (बाजार मूल्य पर)  $NNP_{mp}$  =  $GNP_{mp}$  - मूल्य ह्रास
6. शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (साधन कीमत पर)  $NNP_k$  =  $NNP_{mp}$  - अप्रत्यक्ष कर + सब्सिडी
7. निजी आय (Private Income) =  $NNP_k$  - सरकार को प्राप्त होने वाली आय + हस्तांतरण भुगतान + राष्ट्रीय ऋण पर व्याज - सामाजिक सुरक्षा व्यय
8. व्यक्तिगत आय (Personal Income) = निजी आय - गैर-वितरित निगमित लाभ - निगम कर
9. व्यक्तिगत प्रयोज्य आय (Personal Disposable Income) = व्यक्तिगत आय - प्रत्यक्ष कर - अनिवार्य शुल्क दंड आदि

मशीनरी तथा उपकरण मूल्य वर्ष के दौरान किए गए नव-निर्माण कार्यों के मूल्य से हैं। मूल्यवान वस्तुओं के निवल संवयन में मूल्यवान वस्तुएं, रत्न और कीमती पत्थर, चांदी, सोना, प्लेटिनम और स्वर्ण चांदी के आभूषण शामिल हैं।

### आर्थिक वस्तु

उस दुर्लभ वस्तु को आर्थिक वस्तु या पण्य (Economic Goods) कहा जाता है, जिसकी कोई बाजार कीमत होती है।

### सामान्य वस्तु

वह वस्तु, जिसका उपभोग आय में वृद्धि के साथ बढ़ता है, सामान्य वस्तु (Normal Goods) कहलाती है।

### गिफिन वस्तुएं

गिफिन वस्तुएं (Giffin Goods) निम्न कोटि की वस्तुएं होती हैं। गिफिन वस्तुओं पर मांग का नियम नहीं लागू होता है। मूल्य में वृद्धि होने पर गिफिन वस्तुओं की मांग बढ़ जाती है तथा मूल्य में कमी होने पर इनकी मांग कम हो जाती है। इस विरोधाभास को गिफिन विरोधाभास (Giffin Paradox) की संज्ञा प्रदान की गई है।

### निम्नस्तरीय वस्तुएं

वे वस्तुएं, जिनका उपभोग आय बढ़ने के साथ घटता है, निम्नस्तरीय वस्तुएं (Inferior Goods) कहलाती हैं। उदाहरणतः घटिया अनाज, सस्ता कपड़ा इत्यादि।

### प्रतिस्थापनीय वस्तुएं

वे वस्तुएं, जो एक दूसरे के स्थान पर उपभोग की जा सकती हैं, प्रतिस्थापनीय वस्तुएं (Substitute Goods) कहलाती हैं। उदाहरणतः मछली और मुर्गा, चाय और कॉफी आदि। ज्ञातव्य है कि प्रतिस्थापी वस्तुओं में से एक की कीमत में परिवर्तन होने के कारण दूसरे की मांग में परिवर्तन आता है।



- राष्ट्रीय आय लेखांकन का जनक किसे माना जाता है, जिसके लिए इन्हें नोबेल पुरस्कार भी मिला था?  
- साइमन कुजनेट्स
- राष्ट्रीय आय की सामाजिक लेखांकन गणना विधि का विकास किसने किया था?  
- रिचर्ड स्टोन ने
- भारत में राष्ट्रीय आय की गणना सर्वप्रथम दादाभाई नौरोजी ने वर्ष 1863 में अपनी किस पुस्तक में की?  
- पॉवर्टी एंड अनव्रिट्टिश रूस इन इंडिया
- भारत में राष्ट्रीय आय की गणना का जनक किसको माना जाता है?  
- दादाभाई नौरोजी
- दादाभाई नौरोजी ने भारतीय अर्थव्यवस्था को दो क्षेत्रों- कृषि क्षेत्र तथा गैर-कृषि क्षेत्र में विभाजित करके राष्ट्रीय आय की गणना की थी, परंतु दादाभाई नौरोजी की गणना विधि को वैज्ञानिक नहीं माना जाता है। भारत में 1931-32 में सर्वप्रथम किसने वैज्ञानिक विधि से राष्ट्रीय आय की गणना की?  
- वी.के.आर.वी. राव
- वी.के.आर.वी. राव ने आय गणना की किस प्रणाली का प्रतिपादन किया, जिसके कारण उनको इस प्रणाली का जनक माना जाता है?  
- राष्ट्रीय आय लेखा प्रणाली
- 1948-49 में किसकी अध्यक्षता में राष्ट्रीय आय समिति (National Income Committee) की नियुक्ति की गई, जिसके सदस्य डी.आर. गाडगिल तथा वी.के.आर. वी. राव थे ?  
- प्रो. पी.सी. महालनोबिस
- राष्ट्रीय आय समिति (National Income Committee) का सलाहकार किसको नियुक्त किया गया था?  
- साइमन कुजनेट्स
- भारत में राष्ट्रीय आय और संबंधित सभी पक्षों की गणना कौन करता है?  
- केंद्रीय सांख्यिकीय संगठन
- राष्ट्रीय आय समिति की अनुशंसा पर केंद्रीय सांख्यिकी संगठन (CSO: Central Statistical Organisation) की स्थापना करने की घोषणा 1954 में की गई। इसने कब से अपना कार्य करना प्रारंभ किया?  
- अप्रैल 1955
- 1951 में स्थापित किस संस्थान को केंद्रीय सांख्यिकी संगठन के अधीन कर दिया था?  
- केंद्रीय सांख्यिकी संस्थान
- भारत में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक और लिंग संबंधी आंकड़ों का संकलन कौन-सी संस्था करती है?  
- केंद्रीय सांख्यिकीय संगठन
- स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद राष्ट्रीय आय के अनुमान का सबसे पहले सरकारी अनुमान 1948-49 में **वाणिज्य मंत्रालय** द्वारा दिया गया था। केंद्रीय सांख्यिकी संगठन किस मंत्रालय के अंतर्गत आता है?  
- सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय
- 1950 में स्थापित कौन-सी संगठन सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण करता है, उद्योगों के वार्षिक सर्वेक्षण के लिए डाटा संग्रह करता है और क्षेत्र विवरण तथा फसल आकलन सर्वेक्षण जांचता है और ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में मूल्य डाटा संग्रह के अतिरिक्त शहरी नमूनों का खाका खींचने में सहायक शहरी डांचा तैयार करता है?  
- राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (NSSO)
- 29 जून को किसके जन्मदिन की स्मृति में 'राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस' मनाया जाता है?  
- प्रशांत चंद्र महालनोबिस
- केंद्रीय सांख्यिकी संगठन (सीएसओ) ने राष्ट्रीय आय की पहली शृंखला में भारतीय अर्थव्यवस्था को कुल 13 क्षेत्रों में वर्गीकृत किया। उसने अपनी किस शृंखला में भारतीय अर्थव्यवस्था को 3 क्षेत्रों, यथा- प्रथमिक, द्वितीयक एवं तृतीयक तथा 13 उप-क्षेत्रों में वर्गीकृत किया?  
- द्वितीय शृंखला

### पूरक वस्तुएं

ये वस्तुएं, जिनका आपस में संबंध इस प्रकार का होता है कि एक की मांग में वृद्धि से दूसरी की मांग बढ़ जाती है तथा एक की कीमत में बढ़ोतरी से दूसरे की मांग में भी कमी आ जाती है, पूरक वस्तुएं (Complementary Goods) कहलाती हैं। उदाहरण के लिए, कलम और स्याही, डबल रोटरी और मक्खन।

### हस्तांतरण भुगतान

अर्थव्यवस्था के एक क्षेत्र द्वारा दूसरे को बिना प्रतिफल के किया गया भुगतान हस्तांतरण भुगतान या अदायगी (Transfer Payment) कहलाता है। उदाहरणतः, बेरोजगारी तथा सामाजिक सुरक्षा के लिए की गई अदायगी, राहत अदायगी, दान आदि।

### सीएसओ द्वारा प्रकाशित प्रमुख पुस्तकें व पत्रिकाएं

- स्टैटिस्टिकल इयर बुक
- मासिक स्टैटिस्टिकल एबस्ट्रेक्ट
- इंडिया इन फिगर्स-ए रेडी रेफरेंस
- एनर्जी स्टैटिस्टिकल
- एनवायरमेंट स्टैटिस्टिक्स

सीएसओ द्वारा जारी राष्ट्रीय आय की शृंखलाएं और आधार वर्ष

शृंखला	आधार वर्ष
पहली	1948-49
द्वितीय	1960-61
तीसरी	1970-71
चौथी	1981-82
पांचवीं	1993-94
छठी	1999-2000
सातवीं	2004-05
आठवीं	2011-12

### एंगल का सिद्धांत

अर्नेस्ट एंगल 19वीं शताब्दी का एक जर्मन सांख्यिकीयविद था, जिसने काम करने वाले परिवारों के बजट आंकड़ों का विश्लेषण करके परिवारों की आय और विभिन्न वस्तुओं पर उनके खर्च के बीच

## राष्ट्रीय आय और संबंधित अवधारणाएं

- राष्ट्रीय आय के आंकड़े केंद्रीय सांख्यिकी संगठन (CSO) द्वारा जारी किए जाते हैं। हाल ही में इसके आधार वर्ष में परिवर्तन किया गया है, जो वर्तमान में है?

- वर्ष 2011-12

- केंद्रीय सांख्यिकी संस्थान द्वारा सकल घरेलू उत्पाद की नई शृंखला, जिसे वर्ष 2015 में जारी किया गया, उसे किस नाम से जाना जा रहा है?

- सकल मूल्यवर्द्धन (GVA: Gross Value Added)

- भारत में राष्ट्रीय आय के आंकड़े वित्तीय वर्ष पर आधारित होते हैं। वित्तीय वर्ष कब से कब तक होता है?

- 1 अप्रैल से 31 मार्च तक

- केंद्रीय सांख्यिकी संगठन द्वारा 2015 में राष्ट्रीय आय के लेखांकन की एक नई विधि को शुरुआत की गई, जो कि राष्ट्रीय लेखा पद्धति (System of National Accounts) पर आधारित है। यह किसके द्वारा तैयार किया जाता है?

- संयुक्त राष्ट्र संघ, विश्व बैंक, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, आईसीडी एवं यूरोपीय आयोग द्वारा

- भारत में पूंजी निर्माण संबंधी आंकड़े केंद्रीय सांख्यिकी संगठन (CSO) तैयार करता है। विदेशों से शुद्ध साधन आय संबंधी आंकड़े कौन तैयार और प्रकाशित करता है?

- भारतीय रिजर्व बैंक

- जनवरी 2000 में डॉ. जी. रंगराजन की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा भारतीय सांख्यिकी व्यवस्था की कमियों को दूर करने तथा व्यवस्थित करने के लिए दी गई रिपोर्ट के आधार पर केंद्र सरकार ने जुलाई 2006 में किस आयोग का गठन किया?

- राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग (National Statistical Commission)

- राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग का प्रथम अध्यक्ष किसको नियुक्त किया गया था?

- सुरेश तेंदुलकर

- ऐसी वस्तुएं, जिनका उपयोग उत्पादन में होता है, जैसे- मशीन आदि को पूंजीगत वस्तुएं (Capital Goods) कहा जाता है। उन वस्तुओं को क्या कहा जाता है, जिनकी कीमत में कमी मांग में कमी लाती है?

- गिफिन वस्तुएं

- 31 जनवरी, 2020 को लोकसभा में पेश आर्थिक समीक्षा 2019-20 में वित्त वर्ष 2019-20 में देश की आर्थिक विकास दर कितनी रहने का अनुमान लगाया गया है?

- मात्र 5.0 प्रतिशत

- अर्थव्यवस्था में नकारात्मक व सकारात्मक जोखिमों के निवल मूल्यांकन के आधार पर वर्ष 2020-21 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर में कितने प्रतिशत का वास्तविक वृद्धि की आशा है?

- मात्र 6.0 से 6.5 प्रतिशत

- विश्व की उत्पादन वृद्धि दर 2017 में 3.8% और 2018 में 3.6% रही। वर्ष 2019 में विश्व की उत्पादन वृद्धि दर कितनी प्राक्कलित की गई?

- मात्र 2.9%

(वर्ष 2009 के वैश्विक वित्तीय संकट के बाद सबसे धीमी दर)

- अक्टूबर 2019 के विश्व आर्थिक आउटलुक (डब्ल्यूईओ) ने भारतीय अर्थव्यवस्था के दुनिया में पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने का अनुमान लगाया है। वर्ष 2019 में उसका आकार कितना हो गया?

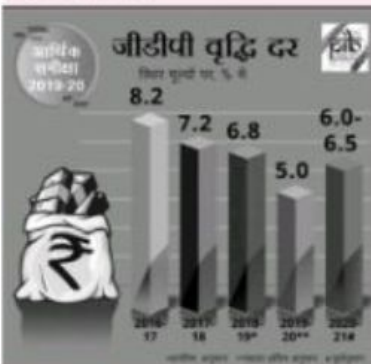
- 2.9 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर

(नोट: भारत के पहले के चार देश हैं- अमेरिका- 21.4 ट्रिलियन, चीन- 14.1 ट्रिलियन, जापान- 5.2 ट्रिलियन और जर्मनी- 3.9 ट्रिलियन।)

संबंधों को स्थापित किया। उसके सिद्धांत के अनुसार, एक परिवार की आय बढ़ने पर उसका खाने-पीने की वस्तुओं पर खर्च का प्रतिशत कम हो जाता है, एंगल का सिद्धांत (Engel's Law) कहलाता है।

### सकल मूल्य योजित

सकल मूल्य योजित (GVA: Gross Value Added) किसी अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में उत्पादित वस्तुओं एवं सेवाओं के मूल्य का मापक है। राष्ट्रीय लेखा में जीवीए उत्पाद में से मध्यवर्ती उपभोग को निकालने के बाद प्राप्त होता है। जीवीए और जीडीपी के संबंध को निम्न सूत्र से जाना जा सकता है- जीवीए = जीडीपी + सस्मिडी - कर (प्रत्यक्ष, विक्री)



### सकल मूल्य वर्द्धन से संबंधित प्रमुख अवधारणाएं

- सकल मूल्य वर्द्धन + उत्पाद कर-उत्पादन सस्मिडी (बेसिक कीमत पर) = सकल घरेलू उत्पाद (बाजार मूल्य पर)
- उत्पादन कर किसी वस्तु के उत्पादन से स्वतंत्र अन्य तरह का कर है, जैसे- स्टाम्प ड्यूटी, भूमि कर। इसी तरह उत्पादन सस्मिडी वस्तु के उत्पादन के आगंतों से स्वतंत्र रूप में दिया जाता है, उदाहरण- रेलवे किराया आदि।
- यहां उत्पाद कर से संबंध ऐसे कर से है, जो वस्तु के प्रति इकाई उत्पादन पर लगता है, जैसे- वैट, जीएसटी इसी तरह उत्पाद सस्मिडी किसी वस्तु के प्रति इकाई उत्पादन के आगंतों पर दिया जाता है, जैसे- पेट्रोलियम।